अवधी साहित्य की भूमिका



त्रिभुवन नाथ शुक्ल

अवधी साहित्य की भूमिका

डॉ० त्रिभुवन नाथ शुक्ल



जयभारती प्रकाशन

इलाहाबाद

AVADHI SAHITYA KI BHUMIKA

By

TRIBHUVAN NATH SHUKLA

Published by

Jaibharti Prakashan, Allahabad

I.S.B.N. 81-85 957-14-2

जयभारती प्रकाशन
285/365 मुट्ठीगंज, माया प्रेस रोड,
इलाहाबाद-3 द्वारा प्रकाशित

●

© डॉ० त्रिभुवन नाथ शुक्ल

●

प्रथम संस्करण : 2003

मूल्य : 100=00

●

लेजर कम्पोजिंग
गुप्ता कम्प्यूटर्स, इलाहाबाद

●

मुद्रक : दि रिपब्लिकन प्रेस
126, साऊथ मलाका
इला० फोन : 605113

भाई पं० रामकिंकर द्विवेदी

की

पूर्ण निष्ठा के प्रति समर्पित

दो शब्द

'अवधी का स्वनिमिक अध्ययन' के प्रकाशन के बाद कुछ मित्रों ने अवधी के साहित्य पर भी कुछ लिखने का परामर्श दिया। कार्य देखने में आसान था, मगर जब इस दिशा में प्रवृत्त हुआ तो अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ा। पहली बाधा तो उसके पूरे प्रामाणिक प्रवृत्ति की जो भी बन सका इन्हीं दोनों पक्षों पर 'अवधी साहित्य की भूमिका' बाँधी गई है। कैसे बंधी और कैसी बँधनी चाहिए यह आगे तय होता रहेगा। अभी तो केवल इतना ही।

त्रिभुवन नाथ शुक्ल

56 **अशोक नगर,**
अधारताल, जबलपुर - 482004
(म० प्र०) दूरभाष: 342440

विषय सूची

1. अवधी : संज्ञा औचित्य	7—16
2. अवधी साहित्य : एक संदृष्टि	17—50
3. परिशिष्ट : एक	51—104